



**CLASS: II**  
**SESSION NO:2**  
**SUBJECT : (HINDI)**  
**CHAPTER NUMBER: पाठ- 14**  
**TOPIC : हमारे प्रेरणा स्रोत**  
**SUB TOPIC:विश्लेषण तथा शब्दार्थ**

---

**CHANGING YOUR TOMORROW**

---

# शिक्षण का उद्देश्य आ

- विद्यार्थी में भाषाई कुशलता का विकास करना।
- पाठ संबंधित ज्ञान प्रदान करना।

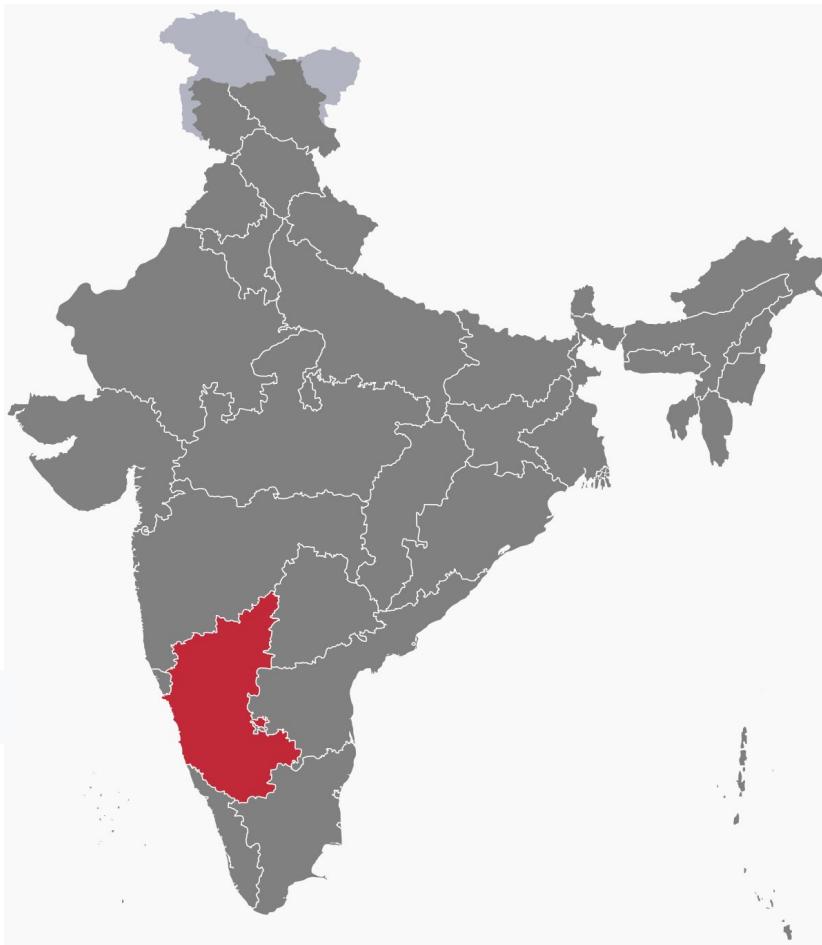


## कनक दास जी

राज्य — कर्नाटक

राजधानी — बैंगलुरु

भाषा — कन्नड़



## पाठ- 14 हमारे प्रेरणा स्रोत

- कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी कला संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है।
- मीराबाई तथा सूरदास की तरह ही श्री कृष्ण के भक्ति पद गाने वालों में दक्षिण के कनकदास जी प्रसिद्ध हैं।
- कनक दास जी ने कई गीतों तथा कीर्तनों की रचना की है, जो दक्षिण में खूब प्रसिद्ध हैं।
- कनकदास का जन्म घारवाड के पास बाड़ नामक ग्राम में हुआ था।
- उनके पिता का नाम बीरप्पा गौडा था और माता का नाम बचम्मा था।
- उनके बचपन का नाम 'तिमप्पा' था।

- एक बार तिमप्पा ज़मीन खोद रहे थे ,तब उन्हें सोने के कुछ सिक्के मिले। उन्होंने उन सिक्कों से अपना ग्राम बाड़ का **उद्धार** किया ।
- बाद में वे **कागिनेले** आए और वहाँ उन सिक्कों की मदद से उन्होंने '**आदिकेशव**' का मंदिर बनवाया। इसी कारण उनका नाम '**कनक नायक**' पड़ा ।
- श्री कृष्ण के प्रति उनकी अपार श्रद्धा थी। उन्होंने अपनी कविताओं में श्री कृष्ण के **बाल रूप** का वर्णन किया है। उनकी कविताओं को '**कीर्तन**' के नाम से जाना जाता है।
- उनके गुरु का नाम '**व्यासराय**' था। कनक नायक नाम ही आगे चलकर '**कनकदास**' हुआ ।
- उनकी प्रमुख **कृतियाँ** हैं - मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य चरित, हरिभक्ति सागर आदि ।
- कनक दास जी ने करीब 400 से भी ज्यादा कीर्तनों की रचना की।
- कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते सितारे हैं।

# शब्दार्थ

प्रसिद्ध	—	विख्यात
जन्म	—	पैदा होना
ग्राम	—	गाँव
कृतियाँ	—	रचनाएँ
भक्ति पद	—	श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम भाव
उद्धार	—	छुटकारा दिलाया / मुक्ति किया
अपार	—	बहुत अधिक
बाल रूप	—	बालक रूप
प्रमुख	—	प्रधान / मुख्य

# कुछ मुख्य बातें

कनकदास का जन्म → घारवाड़

बचपन का नाम → तिम्पा

पिता का नाम → बीरप्पा गौड़ा

माता का नाम → बचम्मा

गुरु का नाम → व्यासराय

उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं - → मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य  
चरित, हरिभक्ति सागर आदि

# सीखने के प्रतिफल

विद्यार्थी पाठ का सस्वर वाचन करना सीखें, साथ ही पाठ संबंधित ज्ञान प्राप्त किए। इससे उनकी भाषाई क्षमता विकसित हुई



**THANKING YOU**  
**ODM EDUCATIONAL GROUP**